पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–पूर्व (संस्कृत)

विषय –वेद, निरूक्त एवं वैदिक साहित्य **प्रश्न–पत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. 'कविक्रतु' से क्या तात्पर्य है ?
2. 'इन्द्रसूक्त' में कौन-सा छन्द प्रयुक्त है ?
3. 'विश्वान' का अर्थ क्या है ?
4. 'नवति' का तात्पर्य क्या है ?
5. 'असूर्या' का अर्थ बताइये।
6. 'विजानतः' से क्या तात्पर्य है ?
7. वेदों को क्या कहा गया है ?
8. व्याकरण की गणना किसके अन्तर्गत की गई है ?

खण्ड—ब

9. "विराटपुरुष इस जगत् के ऊपर उठा हुआ है" से क्या तात्पर्य है ?
10. हवि का दान करने वाले यजमान के लिए अग्नि क्या-क्या कल्याणकारी पदार्थ प्रदान करता है ?
11. षड्विध भाव-विकार कौन-कौन-से हैं ?
12. "चतुर्विध पाद व्यवस्था" से क्या तात्पर्य है ?
13. जो विद्या और अविद्या को समझ लेता है उसे क्या प्राप्त होता है ?
14. सामवेद की शाखाओं का उल्लेख कर संक्षिप्त परिचय दीजिए।

खण्ड—स

15. अर्थ स्पष्ट कीजिए—

उच्चावचेषु अर्थेषु निपाता समुदाहृताः
कर्मोसंग्रहार्थे च क्वचिच्चौपम्य कारणात्।
ऊनानां पूरणार्था वा पादानामपरे क्वचित्
मिताक्षरेषु ग्रन्थेषु पूरणार्थास्त्वनर्थकाः।

16. प्रजापति पुरुष के किन-किन अंगों व अवयवों से क्या-क्या उत्पन्न हुआ है ? सविस्तृत उल्लेख कीजिए।
17. कर्मयोग से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।
18. वेदत्रयी में सामवेद अथवा यजुर्वेद पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द

19. काल सूक्त के आधार पर काल की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
20. ईशावस्योपनिषद् के आधार पर आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
21. ब्राह्मण ग्रन्थों की विषयवस्तु की विवेचना कीजिए।
22. निपात से क्या तात्पर्य है ? कर्मोपसंग्रह निपात का निरूपण कीजिए।

खण्ड—इ

23. वेदा के छः अ①ों की विवेचना करते हुए उनके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
24. ईशावास्योपनिषद् के दार्शनिक महत्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिएअधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–पूर्व (संस्कृत)

विषय –पालि प्राकृतभाषा विज्ञान **प्रश्न–पत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. ब्रह्मदत्त कहाँ का निवासी था ?
2. 'धर्म पद संग्रह' में किसके उपदेशों का वर्णन है ?
3. 'मृच्छकटिकम्' किसकी रचना है ?
4. मछुआ किस गाँव का रहने वाला था ?
5. प्राचीनकाल प्रथम कल्प में पशुओं ने किसको राजा बनाया था ?
6. हंसराज ने अपनी पुत्री का विवाह किससे किया था ?
7. 'भाषा' शब्द संस्कृत की किस धातु से बना है ?
8. वाक्य विज्ञान के अध्ययन के प्रकार बताइए।

खण्ड–ब

9. बोधिसत्व ने शश योनि में उत्पन्न होकर क्या किया ? स्पष्ट कीजिए।
10. सूर्पारक की आँखें कैसे नष्ट हुई ?
11. मूलदेव किसलिए नील वस्त्र धारण करते हैं ?
12. वसुदत्ता कहाँ जा रही थी ?
13. राजभाषा किसे कहते हैं ? स्पष्ट कीजिए।
14. ध्वनि का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. सुंसुमार जातक का सारांश लिखिए।
16. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के चेटी विदूषक संवाद को संक्षिप्त में अपने शब्दों में लिखिए।
17. मूल भारोपीय भाषा की कुछ अन्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
18. वाक्य के आवश्यक तत्त्वों का वर्णन कीजिए।

खण्ड—द

19. 'रत्नावली' के चतुर्थ अंक का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
20. भाषा की सामान्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
21. भारोपीय परिवार की विशेषताएँ लिखिए।
22. अर्थपरिवर्तन क्या है ? इसके कारणों का विवेचन कीजिए।

खण्ड—इ

23. मायादेवी के स्वप्न का वर्णन करते हुए उसके फल का वर्णन कीजिए।
24. संसार की समस्त भाषाओं के वर्गीकरण की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिएअधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–पूर्व (संस्कृत)

विषय –व्याकरण एवं निबन्ध **प्रश्न–पत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. 'बलिं याचते वसुधां' में कर्म संज्ञक क्या है ?
2. 'हरिः वैकुण्ठं उपवसति' किस सूत्र का उदाहरण है ?
3. रुच्यर्थक धातु के अर्थ में कौन-सी विभक्ति होती है ?
4. "कटे आस्ते" यह किस प्रकार का आधार है ?
5. 'गोदः' में कौन-सा प्रत्यय है ?
6. 'सुपानः' में कौन सी धातु है ?
7. 'महाभाष्य' के रचनाकार का नाम लिखिए।
8. "या विद्या सा विमुक्तये" यह किस प्रकार का निबन्ध है ?

खण्ड–ब

9. 'साधकतमं करणम्' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।
10. 'प्रजाभ्यः स्वस्ति' प्रयोग को सिद्ध कीजिए।
11. "दिवस्तदर्शस्य" सूत्र को स्पष्ट कीजिए।
12. 'कार्यम्' पद को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
13. 'क्तक्तवतू निष्ठा' सूत्र को स्पष्ट कीजिए।
14. रक्षा पदार्थ का निरूपण कीजिए।

खण्ड–स

15. "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
16. "ध्रुवंपायेऽपादानम्" सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

17. येधितव्यं प्रयोग को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिए।
18. "व्याकरण" इस शब्द का पदार्थ क्या है ?

खण्ड—द

19. निम्नलिखित सूत्रों का सोदाहरण विवेचन कीजिए :
    (i) दिवः कर्म च
    (ii) सः युक्तेऽप्रधाने
    (iii) इत्थंभूत लक्षणे
    (iv) हेतौ
20. निम्नलिखित उदाहरणों को सूत्रनिर्देशपूर्वक स्पष्ट कीजिए :
    (i) पुष्पेभ्यः स्पृह्यति
    (ii) ग्रामादायाति
    (iii) क्रूरमभि क्रुध्यति
    (iv) चौरस्य रोगरूप रुजा
21. सूत्रनिर्देशपूर्वक प्रयोगों को सिद्ध कीजिए :
    (i) कर्ता
    (ii) दानीयः
    (iii) प्रश्नः
    (iv) शयित्वा
22. शब्दों के 'नित्यत्व' एवं 'अनित्यत्व' पर पत◈जलि के विचारों की व्याख्या कीजिए।

खण्ड—इ

23. 'अधर्माधिक्य पाठ्य' का विवेचन अपने शब्दों में कीजिए।
24. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर संस्कृत भाषा में निबंध लिखिए :
    (i) स्त्रीशिक्षायाः महत्वं
    (ii) महर्षि दयानन्दः
    (iii) जनसंख्या समस्या
    (iv) महाकवि कालिदासः

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**

4- **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य(Assignment Work)सत्र –जून–जुलाई 2021–22

एम.ए.–पूर्व (संस्कृत)

विषय –भारतीय दर्शन **प्रश्न–पत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ– अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब –अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स –लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द –अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. प्रमाण का फल क्या है ?
2. तर्क भाषा किस दर्शन के अन्तर्गत आती है ?
3. त्रिविध प्रमाणमिष्टं का सम्बन्ध किस दर्शन से है ?
4. सत्कार्यवाद किस दर्शन से सम्बद्ध है ?
5. वस्तु से अवस्तु के आरोप को क्या कहा जाता है ?
6. विज्ञानमयादि कोशत्रय किसे कहते हैं ?
7. 'मीमांसानुक्रमणिका' के लेखक कौन हैं ?
8. प्रहलाद के आचार्य कौन थे ?

खण्ड—ब

9. उपाधि का लक्षण लिखिए।
10. वाक्य का लक्षण लिखिए।
11. अहंकार का लक्षण लिखिए।
12. सांख्य में कितने प्रमाणों को स्वीकार किया गया ?
13. अनुबन्ध चतुष्टयों के नाम लिखिए।

14. नास्तिक दर्शन किसे कहते हैं ?

खण्ड—स

15. करण का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

16. तत्वज्ञान प्राप्ति के पश्चात् पुरुष क्या शरीर किये रहता है ? स्पष्ट कीजिए।

17. चतुर्विध स्थूल शरीर पर प्रकाश डालिए।

18. संक्षेप में दर्शन का प्रयोजन लिखिए।

खण्ड—द

19. प्रत्यक्ष प्रमाण पर प्रकाश डालिए।

20. व्यक्त और अव्यक्त की समानता तथा विभिन्नता पर प्रकाश डालिए।

21. वेदान्त दर्शन में अनुबन्ध चतुष्टय की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

22. जैन दर्शन के तत्वों की विवेचना कीजिए।

खण्ड—इ

23. न्याय दर्शन के ज्ञातता सम्बन्धी दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

24. चार्वाक दर्शन के प्रत्यक्ष प्रमाण सम्बन्धी मत की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 28 फरवरी 2022 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जून–जुलाई 2021–22 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जून–जुलाई 2021–22 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**